'निदेशक'

हड्डी की बीमारियों के इलाज को बढ़ा आईआईटी

कानपुर। जल्द ही आईआईटी हड्डी रोगियों को बड़ी राहत देने जा रहा है। इसके लिए आईआईटी के जैविक विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. अमिताभ बंदोपाध्याय ने शोध शुरू किया है। इसमे भ्रूण में कार्टिलेज के मैकेनिज्म एवं हड्डी निर्माण की प्रक्रिया और वयस्कों में ज्वांइट कार्टिलेज व हड्डी के बचाव पर अध्ययन किया जा रहा है। किए जा रहे शोध से ऑस्ट्रीआर्थीटिस और ऑस्टोपोरोसिस जैसी बीमारियों के इलाज में काफी सफलता मिलेगी। इसमे आईआईटी में काम चल रहा है। प्रो. बंदोपाध्याय ने बताया कि उनकी टीम ऑस्टीआर्थीटिस की वृद्धि में वंशाणु की भूमिका के बारे में पता लगाने का प्रयास कर रही है। व्यस्कों में ऑस्टीआर्थीटिस. की वृद्धि में जीन की भूमिका पाई जाती है। उनकी टीम जीन को ब्लॉक करने का प्रयास कर रही है। इससे एंटी-ऑस्टीआर्थीटिस ड्रग डेवलपमेंट रिसर्च को बहुत अधिक फायदा होगा।

प्राइवेट संस्थानों के लिए नजीर बनेगा एचबीटीआई

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

मदद करेंगे

- प्राइवेट इंस्टीट्यूटों में भी खुलेगा इनोवेशन एंड इन्कुबेशन सेंटर एकेटीयू के माध्यम से की जाएगी इंस्टीट्यूट की मदद
- प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा व एकेटीयू कुलपति ने प्रदेश के 611 संस्थानों की समीक्षा की

एकेटीयू से सबंद्ध सरकारी संस्थानों की तर्ज पर प्राइवेट तकनीकी संस्थानों में भी अब इनोवेशन एंड इन्कुबेशन सेंटर खुलेगा। इसमे नोडल सेंटर बने एचबीटीआई, यूपीटीटीआई, एमएनटी गोरखपुर और आईआईटी लखनऊ प्राइवेट तकनीकी संस्थानों की मदद करेगे। बेहतर प्रोजेक्ट पर एकेटीयू पैसा भी देगा। इससे छात्र-छात्राओं के बेहतर भविष्य के रास्ते खुलेगे। यह फैसला प्रदेश के तकनीकी संस्थानों के निदेशक व अन्य अफसरों की बैठक में लिया गया।

लखनऊ में प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा मोनिका एस गर्ग और एकेटीयू कुलपति प्रो. विनय पाठक के नेतृत्व में मंगलवार को बैठक हुई। इसमे एचबीटीआई और यूपीटीटीआई के निदेशक प्रो. डीबी शॉक्यवार भी गए थे। इसमे प्राइवेट सेंटर को इनोवेशन एंड इन्कुबेशन सेंटर खोलने पर जोर दिया गया। किसी भी तरह की दिक्कत होने पर सिविल इंजीनियरिंग के लिए एचबीटीआई, टेक्सटाइल के लिए यूपीटीटीआई, कंप्यूटर साइंस के लिए आईईटी और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के लिए गोरखपुर एमएनटी नोडल सेंटर इनोवेशन के लिए मदद करेंगे। बेहतर प्रोजेक्टों पर आर्थिक मदद देकर उनको स्थापित करने में मदद की जाएगी। प्रमुख सचिव ने कम होते फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में कम आ रहे बाहरी इंस्टीट्यूट के प्रोफेसरों को देखते हुए ऑन लाइन ट्रेनिंग कराने पर जोर दिया। वहीं स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम को सभी तकनीकी संस्थानों में चलाने के आदेश दिए गए है। प्रमुख सचिव ने कहा कि अब समय आ गया है कि जब बिना छात्र-छात्राओं की स्किल को विकसित किए हुए उनको सफलता के रास्ते पर नहीं ले जाया सकता है।

आईआईटी ने की नए छात्रों की तीसरी चेकिंग

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

जांच

- जेईई एडवांस परीक्षा के दौरान लिए गए अंगूठे के निशान के साथ छात्र-छात्राओं के अंगूठे को कराया गया मैच
- दो छात्रों के अंगूठे मैच होने में हुई दिक्कत, हस्ताक्षर कराकर आईआईटी ने यूजी छात्र-छात्राओं को दिया प्रवेश

आईआईटी प्रवेश में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए इस बार प्रशासन ने दोहरी मशक्कत की है। आईआईटी के जेईई सेल ने फर्जीवाड़ा रोकने के लिए प्रवेश पाए 830 छात्र-छात्राओं का अंगूठा निशान तीसरी बार मैच कराया। छात्रों के तीसरी बार हस्ताक्षर भी लेकर क्रास चेकिंग कराई गई। दो छात्रों के निशान मैच न होने पर डाटा और उसके रिकार्ड दिखवाने के बाद प्रवेश दिया गया।

आईआईटी जेईई कानपुर जोन चेयरमैन एसएन सिंह ने बताया कि यूजी छात्र-छात्राओं के प्रवेश में इस बार काफी मुस्तैदी रखी गई है। जेईई एडवांस परीक्षा के दौरान छात्र-छात्राओं के हस्ताक्षर व अंगूठे के निशान लिए गए थे। फिर काउंसिलिंग के दौरान उनके हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान को मिलाए गए। काउंसिलिंग में पास होकर आईआईटी पहुंचे छात्र-छात्राओं का तीसरी बार वेरीफिकेशन कराया गया है।

फोन करने के बावजूद नहीं आए चार छात्रः आईआईटी में प्रवेश के लिए जहां मारामारी चल रही है, वहीं चार छात्र-छात्राएं ऐसे भी हैं जिनका नाम प्रवेश में आने के बावजूद उन्होंने प्रवेश ही नहीं लिया है। आईआईटी प्रशासन की ओर से उन छात्रों को फोन करके बुलाने का प्रयास किया गया, फिर भी वह नहीं आए। ऐसे में यूजी की चार सीटें खाली ही रहेंगी। वहीं सात प्रेपरेट्री कोर्स के छात्र-छात्राओं को बीएचयू भेजा गया है।

हिन्दुस्तान 03-08-2016

शोलापुर से संघर्ष का दरिया पार कर आईआईटी पहुंचा दृष्टिहीन

कानपुर | गौरव श्रीवास्तव

सपनों को पूरा करने के लिए अगर कुछ ज़रूरी है तो वो है बस संकल्प और परिश्रम। यदि किसी में ये दोनों चीज़ें हैं तो कोई भी मुसीबत उसको अपने सपनों तक पहुंचने से नहीं रोक सकती। कहा भी गया है कि हिम्मते मर्दा मदद-ऐ-खुदा। जी हां, संघर्ष के दरिया को पार करके शोलापुर से आईआईटी कानपुर पहुंचे दृष्टिहीन दिव्यांग छात्र ने यह पंक्तियां सच साबित कर दी हैं।

महाराष्ट्र के शोलापुर निवासी इंजीनियर पिता के सपनों को साकार करने को आईआईटी कानपुर में प्रवेश लेने वाला यह 90 फीसदी दृष्टिहीन छात्र अन्य सहपाठियों और शिक्षकों के लिए जिज्ञासा का विषय बन गया है।

90 फीसदी दृष्टिहीन छात्र अन्य सहपाठियों और शिक्षकों के लिए जिज्ञासा का विषय बन गया है

05 छात्र आईआईटी रुड़की से कानपुर आईआईटी आए हैं प्रेपेरेट्री कोर्स में दाखिला लेने के लिए

इनसे सीखने की जरूरत

- दृष्टिहीन छात्र को पढ़ाई में दिक्कत को देखते हुए आईआईटी प्रशासन ने शुरू की कवायद
- स्क्राइब तकनीक से छात्र ने जेईई एडवांस परीक्षा पास की। परीक्षा में एक घंटे का अतिरिक्त समय दिया गया
- छात्र के माता-पिता को आईआईटी प्रशासन ने बुलाया है, प्रशासन चाहता है कि मां छात्र के साथ रहे
- फिलहाल छात्र को बाथरूम के पास का रूम दिया गया है, उसकी फिलहाल साथी छात्र मदद कर रहे हैं
- आईआईटी के इतिहास में पहली बार इस तरह का केस सामने आया है जिससे छात्र को दिक्कत हो रही है

हॉस्टल में छात्र कर रहे देखरेख

आईआईटी प्रशासन ने हॉस्टल में उस छात्र की देखरेख अन्य छात्रों को सौंपी है, वे उसकी पूरी मदद कर रहे हैं। उसे क्लास में लाने और ले जाने के लिए भी छात्रों को लगाया गया है। रूम मेट उसे किसी भी तरह की दिक्कत को दूर करने में जुटे हुए हैं।

बनी कमेटी, होगा मंथन

आईआईटी प्रशासन ने छात्र के भविष्य को लेकर एक कमेटी बनाई है। छात्र को किसी तरह की दिक्कत न हो इसके लिए आईआईटी पूरे मामले को रिव्यू कर रहा है। वह दृष्टिहीन छात्र के लिए कई सुविधा मुहैया कराकर उसे कोर्स को पूरा करने में मदद कर सकता है।

मदद को कमेटी बनाई

दृष्टिहीन छात्र का मामला आईआईटी प्रशासन के सामने आया है। उसकी मदद के लिए एक कमेटी बनाई गई है। छात्र की दिक्कतों को दूर करके उसके भविष्य को संवारा जाएगा। छात्र को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। -एके चतुर्वेदी, डिप्टी डायरेक्टर, आईआईटी

प्रेपेरेट्री कोर्स में आईआईटी रुड़की से आए छात्र ने आईआईटी कानपुर के इकोनॉमिक्स में प्रवेश लिया है।

खास हो रही देखरेख : दृष्टिहीन छात्र को जब सामान्य छात्र-छात्राओं के साथ लैब और कंप्यूटर के सामने ले जाया गया तो उसे दिक्कत हुई। इससे छात्र की पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। उसका एकेडमिक ग्राफ भी खराब हो सकता है। छात्र के भविष्य को लेकर चिंतित आईआईटी प्रशासन अब छात्र की देख-रेख खासतौर तरीकों से कर रहा है। इसके मद्देनजर आईआईटी प्रशासन ने आला अफसरों की बैठक मंगलवार को बुलाई। छात्र के भविष्य को लेकर चिंतन और मंथन किया गया। घंटों मंथन में छात्र के भविष्य की बाधाओं को दूर करने के लिए कई विकल्प सोचे गए।

दिव्यांग को दी व्हीलचेयर : प्रेपेरेट्री कोर्स में आईआईटी रुड़की से आए एक अन्य दिव्यांग छात्र रोहित कुमार को पहले ही आईआईटी प्रशासन प्रवेश के दौरान राहत दे चुका है। दिव्यांग छात्र को देखकर आईआईटी प्रशासन ने उसे व्हीलचेयर मुहैया कराई है। जिसे पाकर वह काफी खुश हो गया था। आईआईटी प्रशासन पीडब्ल्यूडी से प्रवेश पाए छात्र-छात्राओं का विशेष ख्याल रख रहा है।

आईआईटी में एससी/एसटी छात्रों की फीस नहीं लगेगी

नई दिल्ली | एजेंसी

राहत

- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, दिव्यांगों की फीस भी माफ रहेगी
- राज्यसभा में प्रौद्योगिकी संस्थान संशोधन विधेयक 2016 पारित

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने मंगलवार को कहा कि आईआईटी में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, दिव्यांगों को फीस से पूरी तरह छूट दी गई है।

राज्यसभा में प्रौद्योगिकी संस्थान संशोधन विधेयक 2016 पर चर्चा का जवाब देते हुए जावड़ेकर ने यह बात कही। इसके बाद इस विधेयक को उच्च सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। जावड़ेकर ने कहा, आज आईआईटी में प्रत्येक छात्र पर सरकार को छह लाख रुपये प्रति वर्ष खर्च करना पड़ता है।

हिन्दुस्तान 03-08-2016

आस्टियो आर्थराइटिस का इलाज खोज रहे आईआईटियंस

आईआईटी के प्रोफेसर एवं उनकी टीम चूहे एवं चूजे के भ्रूणों पर कर रही शोध

कानपुर, 2 अगस्त। आर्थराईटिस एवं आस्टियोपोरोसिस का इलाज खोजने के लिये आईआईटियंस ने नहीं पहल शरू की है। आईआईटी के स्टूडेंट्स एवं टीचर भ्रूण में कार्टिलेज के मेकेनिज्म एवं हड्डी के निर्माण की प्रक्रिया तथा वयस्कों में च्वाइंट कार्टिलेज एवं हड्डियों के निर्माण की प्रक्रिया एवं बचाव पर अध्ययन करने में जुटे हैं। यह जानकारी देते हुए आईआईटी में जैविक विज्ञान एवं अभियंत्रिकी विभाग के प्रो अमिताभ बंदोपाध्याय ने बताया कि भ्रूण निर्माण में आरंभिक चरणों में हाथ पैर की अस्थियों के इलीमेंट पूर्ण रूप से अविभाजित कार्टिलेज से बने होते हैं। जैसे जैसे भ्रूण वृद्धि करता है वैसे वैसे कार्टिलेज इलीमेंट में विभाजन शुरू हो जाता है। वयस्कों में च्वाइंट कार्टिलेज घिसने से जोड़ों में दर्द के साथ आर्थराईटिस हो जाती है। उन्होने बताया कि मौजूदा समय में स्टूडेंट्स के साथ मिलकर चूहे एवं चूजों के भ्रूणों के निर्माण पर प्रयोग किया जा रहा है। उनका कहना है कि उनकी टीम वंशाणू (जीन) को की भूमिका के बारे पता लगाने का प्रयास कर रही है। यदि वयस्कों में आस्टियो आर्थराईटिस की वृद्धि में जीन की भूमिका पायी जाती है तो वंशाणू का ब्लाक करने का प्रयास किया जायेगा। जिससे एंटी आस्टियो आर्थराईटिस डेवलपमेंट रिसर्च को बहुत अधिक मदद मिलेगी।

प्रो बंदोपाध्याय ने बताया कि वयस्कों में हड्डी पुंज(बोन मास) के कारण आस्टोपोरोसिस की आशंका रहती है। नये शोध से रजोनिवृत्ति से निवृत्त महिलाओं में इस शोध के चलते आस्टोपोरोसिस के इलाज के लिये उम्मीद की किरण जगी है।

आज 03-08-2016

IITs in 6 more cities, including Jammu, Tirupati

PRESS TRUST OF INDIA
NEW DELHI, AUGUST 2

JAMMU AND Tirupati are among six cities across the country that are set to get IITs, with Parliament passing a bill in this regard. Under the Institutes of Technology (Amendment) Bill 2016, which was approved in the Rajya Sabha by voice vote, IITs will also be started in Palakkad (Kerala), Goa, Dharward (Karnataka) and Bhilai (Chhattisgarh). Earlier, the Lok Sabha had passed on July 25 the Bill which also seeks to bring the Indian School of Mines, Dhanbad, within the ambit of the proposed Act. Replying to a debate on the bill, HRD Minister Prakash Javadekar said, "We will not allow anything that will lower their (IIT) standards. Actually we all should try to improve them further and make them really world class institutes. Therefore quality is absolutely important." Replying to Jairam Ramesh of Congress, who raised the issue of ensuring complete autonomy for the IITs, Javedekar said the HRD Ministry is not there on any board of IITs.

The Indian Express 03-08-2016